

LOK SABHA

Monday, November 8, 1965/ Kartika  
17, 1887 (Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the  
Clock.

[MR. SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

पाकिस्तानी हमले के कारण विस्थापित हुए  
व्यक्तियों का पुनर्वास

+

- \* 90. श्री मधु लिमये :  
श्री बागड़ी :  
श्री विश्वनाथ राय :  
श्री रा० स० तिवारी :  
श्री कृ० चं० शर्मा :  
श्रीमती रेणुका बड़कटकी :  
श्री यशपाल सिंह :  
श्री प्रकाशबोर शास्त्री :  
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :  
श्री हेम बरध्वा :  
श्रीमती तारकेश्वरी सिन्हा :  
श्री रामेश्वर टांडिया :  
श्री हिम्मतीसिंहका :  
श्री प्र० चं० बरध्वा :  
श्री प्र० रं० चक्रवर्ती :  
श्री कपूर सिंह :  
श्री प्र० के० देव :  
श्री सोलंकी :  
श्री नरसिंहा रेड्डी :  
श्री भानु प्रकाश सिंह :  
श्री म० ला० द्विवेदी :  
श्री स० चं० सामन्त :  
श्री पाराशर :  
श्री श० ना० चतुर्वेदी :  
श्री बसुमतारी :

- श्री रवीन्द्र वर्मा :  
श्री पं० बँकटासुब्बाया :  
श्री ब० कु० बास :  
श्री इन्द्रजीत गुप्त :  
श्री बलजीत सिंह :  
श्री हुकम चाव कछवाय :  
श्री हेम राज :  
श्री लिंग रेड्डी :  
डा० रानेन सेन :  
श्री दोनेन भट्टाचार्य :  
श्री प्र० ना० बिद्यालंकार :  
डा० राम मनोहर लोहिया :  
डा० लक्ष्मीमल्ल सिन्घवी :  
श्री वे० जी० नायक :  
श्री बासप्पा :  
श्री किशन पटनायक :  
श्री रामसेवक यादव :  
श्री गुलशन :  
श्री श्रींकार लाल बेरवा :  
श्री बूटा सिंह :  
श्री धुलेश्वर मीना :  
श्री बृजराज सिंह :  
श्री गोकरन प्रसाद :  
श्री हेडा :  
श्री रा० बरध्वा :  
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :  
श्री राम हरल यादव :  
श्री कृष्ण देव त्रिपाठी :  
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :  
श्री विश्वास प्रसाद :  
श्रीमती ज्योत्सना चन्दा ।

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा  
करेंगे कि :

(क) हाल में हुए पाकिस्तानी हमले के  
परिणामस्वरूप (1) पंजाब, (2) जम्मू तथा

काश्मीर, और (3) राजस्थान के सीमा क्षेत्रों से कितने नागरिक विस्थापित हो गये थे ;

(ख) उनके पुनर्वास के लिये सरकार द्वारा बनाई गयी योजना की मुख्य बातें क्या हैं ; और

(ग) अब तक ऐसे कितने व्यक्तियों को पुनः बसा दिया गया ;

पुनर्वास मंत्री (श्री त्यागी) : (क) इस की आखिरी संख्या 2,70,000 तक हो गई है।

(ख) विस्थापित व्यक्तियों को आश्रय, खाना, कपड़ा तथा जीवन की अन्न आवश्यक वस्तुएं तुरन्त उपलब्ध करने की व्यवस्था की गई है। जहां सम्भव हो सकता है, विस्थापितों को अपने घर वापिस जाने के लिये आर्थिक सहायता दी जा रही है।

(ग) जैसे ही हालात ठीक हो जाएंगे, सभी विस्थापित व्यक्तियों के अपने घर वापिस जाने की आशा है और उनके किसी दूसरे स्थान पर पुनर्वास का प्रश्न नहीं उठता। जम्मू-काश्मीर में 1100 व्यक्ति पहले ही कैंपों से अपने घरों को वापिस जा चुके हैं और वहां उनके पुनर्स्थापन में सहायता दी जा रही है।

श्री मधु लिमये : क्या यह बात सही है कि अकेले जम्मू और काश्मीर में छम्ब जौरियां इलाके, हाजीपीर पास और उड़ी पुंछ इलाके से 2 लाख शरणार्थी आये हैं, और क्या इन शरणार्थियों को बसाते समय उन्हें बन्दूक वगैरह देकर उनको चलाने की शिक्षा दी जायेगी ?

श्री त्यागी : जम्मू और काश्मीर में 2 लाख 25 हजार व्यक्तियों पर असर पड़ा है और वह लोग अपने घरों से विस्थापित हुए हैं। तमाम जम्मू और काश्मीर में 1 लाख 27 हजार लोग कैंपों में रहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : प्रश्न का दूसरा हिस्सा यह है कि उनको बसाते समय क्या प्रोटोकॉल के लिये उनको कोई बन्दूक वगैरह दी जायेगी ?

श्री त्यागी : उन में से उन व्यक्तियों को हथियारों की ट्रेनिंग दी जायेगी जो कि होम गार्ड्स वगैरह में हैं या उन लोगों को दी जायेगी जो कि होम मिनिस्ट्री ने जो प्रबन्ध किया है उस में शामिल होना पसन्द करेंगे।

श्री मधु लिमये : पाकिस्तानी हमले के कारण सीमावर्ती इलाकों में कितने औद्योगिक यूनिट नष्ट हो गये हैं। और उन यूनिटों में उत्पादन को चालू करने के लिये क्या योजना बनाई गई है ?

श्री त्यागी : यह सूचना इस समय मेरे पास नहीं है।

Shri Indrajit Gupta: The Minister said just now that if conditions permit, gradually these uprooted people will be helped to go back to their original homes. May I know, in the case of the people whose original homes themselves have been destroyed and they cannot be kept indefinitely in camps, what plan is being made for their future rehabilitation, where there are no homes left for them to go back to?

श्री त्यागी : जिन लोगों के घर जल गये हैं या तबाह हो गये हैं उनको आर्थिक सहायता दी जा रही है, जैसे कि पंजाब के अन्दर हर पक्के घर को शहर के अन्दर 2,000 रु० आर्थिक सहायता दी जाती है। इसके अलावा कर्ज वगैरह की तरह से जितने रुपये की आवश्यकता होती है उसके देने का इन्तजाम किया जाता है। इसके अलावा जो कि ग्रामीण दलों में हैं और जिनके घर कच्चे हैं उनको 1,000 रु० सहायता के रूप में दिये जाते हैं। उनके लिये भी कुछ कर्ज का प्रबन्ध किया गया है। इसके अलावा जिन लोगों के बैल, ऊट, माय भैंस वगैरह आक्रमण के कारण मर गये हैं उनके लिये भी कुछ रुपया उन को दिया जाता है।

**Shri P. K. Deo:** May I know if any compensation is contemplated to be paid in respect of the standing crops that have been lost by Pakistani aggression?

**Shri Tyagi:** No compensation is being given, but *ex gratia* payments are being granted for sustenance of each family.

**Shri P. K. Deo:** Compensation for the loss of standing crops.

**Shri Tyagi:** Compensation has not been given but they are being given *ex gratia* grants by way of relief until they can reap the crop.

**Shri Kapur Singh:** How do Government if at all, propose to correlate their rehabilitation scheme or schemes with the fluidity of the Indo-Pakistan border? Let me make myself clear: The Indo-Pakistan border may again be subjected to this type of commotion which has forced these people to come out.

**Shri Tyagi:** It was naturally in a huff with which these families had to come away, run, from place to place, but now things have got settled. I think there is perfect order now.

**श्री यशपाल सिंह:** क्या सरकार के पास कोई इस तरह का अक्राउण्ट है कि उनमें से कितने लोग एथ्रीकल्चरिस्ट्स हैं और कितने नान एथ्रीकल्चरिस्ट्स हैं। जो एथ्रीकल्चरिस्ट्स हैं उनको रिहैबिलिटेड करने के लिये क्या इंतजाम किया जा रहा है ?

**श्री त्यागी :** अभी इस की पूरी जांच पड़ताल नहीं हो सकी है। अभी तो उन की देख भाल करने का काम किया जा रहा है। वे कौन से पेशे के लोग हैं इस का व्यौरा अभी इकट्ठा नहीं हो सका है।

**Shri Hem Barua:** May I know if it is a fact that the people evacuated from Pakistani areas that we have captured are given better treatment than our own people evacuated from our borders because of the Pakistani attack? If so, why this differential treatment?

**Shri Tyagi:** Certain persons are kept in concentration camps and they are not free to move about. Therefore, they have to be looked after from all points of view, whereas these people are free to go about, to seek employment and do anything.

**Shri Hem Barua:** When we had been to the forward areas....

**Mr. Speaker:** I have followed it and he has followed it also. He says no preferential treatment is being given to those persons in areas brought under our occupation from Pakistan, compared to our persons. I cannot argue it with him.

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** इन क्षेत्रों से जो शरणार्थी आये हैं उनमें से बहुत से पुराने मिलिटरी मैन हैं जो कि पहले मिलिटरी में काम करते थे और अब रिटायर हो गये हैं। क्या सरकार उनको हथियार बगैरह देने का विचार रखती है? उनका कहना है कि अगर उनको हथियार दे दिये जायें तो वे शत्रु से निपट सकते हैं। क्या यह बात भी सरकार के ध्यान में आई है कि जो शरणार्थी वहां आये हैं उनके साथ वहां की सरकार भेदभाव करती है। जो मुसलमान हैं उनको ज्यादा सहूलियत दी गई और जो हिन्दू हैं उनको कम सहूलियत दी गई।

**श्री त्यागी :** मैं यह बात तसलीम करता हूँ कि इस किस्म की गलतफहमी जम्मू और काश्मीर में फैल गई है। लेकिन ऐसा कोई फर्क नहीं किया गया है कि मुसलमानों को ज्यादा सहूलियतें दी गई हों और हिन्दुओं को कम दी गई हों। जहां तक हथियारों का सम्बन्ध है, होम मनिस्ट्री की स्कीम है बार्डर डिफेन्स के वास्ते। जो लोग उसके मातहत ट्रेनिंग लेना पसन्द करेंगे उन को ट्रेनिंग दी जायेगी और उनका होसला बढ़ाने के लिये उन्हें आवश्यकता-नुसार हथियार भी दिये जायेंगे।

**Shri Basumatari:** In some families, the parents have been killed. May I know if there is any provision being made for the education of their children?

**श्री स्यागी :** जी हां, उनके लिये भी प्रबन्ध किया जा रहा है ।

**श्री किशन पटनायक :** क्या यह सही है कि विस्थापितों में से बहुत से लोगों ने हथियार मांगे थे, लेकिन सरकार ने उनको हथियार देने से इंकार कर दिया है ;

**श्री स्यागी :** ऐसी कोई बात नहीं है । लेकिन विस्थापितों को अभी तक हथियार दिये नहीं गये हैं क्योंकि जब तक स्कीनिंग वगैरह नहीं होती तब तक हथियार देने का काम नहीं हो सकता है । जांच पड़ताल करने के बाद हथियार दिये जा सकते हैं किसी संगठन के द्वारा । व्यक्तिगत तरीके से हथियार बांटने का तरीका नहीं है ।

**श्री किशन पटनायक :** किन लोगों को हथियार दे रहे हैं ।

**Shri Majithia:** I would like to get a clarification from the Minister. So far as the cities are concerned, they are giving Rs. 2,000 for pucca houses whereas in the villages, they are given Rs. 1000 for the kutcha houses. What about pucca houses in the villages?

**Shri Tyagi:** For pucca houses in the villages also Rs. 2000 will be given.

**श्री प्रकाशबीर शास्त्री :** जम्मू और काश्मीर राज्य के जिस भाग से यह शरणार्थी विस्थापित होकर आये हैं वहां उनके अपने कुछ निजी किस्म के उद्योग धन्धे थे, कुछ दस्तकारियां थीं । क्या सरकार ने कोई ऐसी योजना बनाई है जिससे कि वे शरणार्थी उन दस्तकारियों और उद्योग धन्धों को फिर से चालू कर सकें ?

**श्री स्यागी :** यह सत्य है कि पंजाब की बहुत सारी इंडस्ट्रीज तबाह हो गई हैं, इस मानी में नहीं कि उनके ऊपर कोई बम वगैरह गिरे हैं बल्कि इसलिए कि उनके यहां माल इकट्ठा हो गया, बिक्री कम हुई, खरीददार

नहीं पहुंच सके, वे लॉग इधर उधर अपना माल नहीं भेज सके, कच्चे माल के लाने ले जाने में भी दिक्कत पड़ी, हुए वैसे की भीकरी पड़ी इन सब बातों को सांच कर गवर्नमेंट ने फैसला किया है कि पंजाब के जिन जिलों में इण्डस्ट्रीज पर असर पड़ा है उनकी मदद की जाए और उनके लिए ज्यादा आर्डर रखे जाएं, और डी०जी० ए० एण्ड डी० को भी हिदायत कर दी गयी है कि वे जो अपने आर्डर रखें उनमें पंजाब की इण्डस्ट्रीज का प्रिकरेंस दिया जाए और...

**श्री प्रकाशबीर शास्त्री :** ब्योरा क्या है ?

**श्री स्यागी :** इसके सम्बन्ध में आप इजाजत दें तो मैं डिटेल्ड स्टेटमेंट टेबिल पर रख दूंगा ।

**श्री मधु लिमये :** दो बार मन्त्री महोदय से पूछने पर कि कितने लोगों को हथियार चलाने की शिक्षा दी जा रही है, जवाब नहीं आ रहा है, आप उनसे जवाब लें ।

**श्री स्यागी :** मेरे पास यह इतिला नहीं है । इतिला आने पर मैं तादाद वगैरह बतला सकूंगा ।

**Shri Hem Raj:** May I know whether it is a fact that the displaced persons in the Ferozepore District from Khem Karan and Fazilka sector have not been granted anything so far, only a few have been put in camp, the others are still living with their relatives and nothing has been done to rehabilitate them?

**Shri Tyagi:** I am afraid, I have no specific information about those particular displaced persons, but the rule or the actual practice of the Government is to give all these facilities to those who are in the camp as well as those who are staying with their relations.

**Dr. L. M. Singhvi:** May I know whether the Government are in a position to tell us the number of

civilians displaced in Rajasthan and civilians driven out from Pakistan into Rajasthan, and whether it is a fact that there are a number of concentration camps in Pakistan where the Hindu population is being subjected to a very cruel treatment?

**Shri Tyagi:** I am afraid, I have not got the exact figure of the population which have crossed over from Pakistan to this side, but the number of those who have been displaced in Rajasthan is about 3000.

**Dr. L. M. Singhvi:** What about my question regarding concentration camps?

**Mr. Speaker:** He has not got the figures.

**श्री डा० ना० तिवारी :** ये विस्थापित लोग अनिश्चित फाल तक कैम्पों में रहेंगे, न मालूम उनको कब तक रहना पड़े। तो क्या उनको किसी राजगार की या काम की ट्रेनिंग दी जा रही है? क्या इसकी कोई व्यवस्था है?

**श्री श्यामी :** जो हां, व्यवस्था की जा रही है।

**Shri D. C. Sharma:** Has the Government got any schemes for the rehabilitation of those persons from the various States of India—Punjab, Jammu and Kashmir, and Rajasthan—and may I know what action the Government is going to take on them? May I also know whether it is not a fact that the Government of Punjab has asked for Rs. 10 crores for the rehabilitation of these persons and whether any action has been taken on that request?

**Shri Tyagi:** The schemes of rehabilitation have not yet been finalised because we are expecting very soon that these people might be able to go back to their own homes. So long as that position is not clear, no permanent type of schemes for rehabilitation are considered.

**श्री राजेश्वरानन्द :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि जो राजस्थान और पंजाब में शरणार्थी आ गए हैं आ भारतीय नागरिक हैं, उनको

क्या काश्मीर के उस भाग में बसाने पर सरकार विचार कर रही है, जो हमारी सरकार ने पाकिस्तान से अभी हाल में छुड़ाया है?

**श्री श्यामी :** काश्मीर में स्वयं बहुत काफी तादाद में लोग अपने घरों से अलग हो गए हैं, उनको बसाने की समस्या काश्मीर के सामने है। इसलिए काश्मीर पर और ज्यादा बोल बालने का विचार नहीं है।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** जम्मू काश्मीर की ठंड को देखते हुए, जो दो सवा दो लाख विस्थापित वहाँ हैं उनमें रजाई और कम्बल बांटने का सरकार या गैर सरकारी संस्थाओं की तरफ से क्या इन्तिजाम है, और अभी तक कितनी रजाइयाँ और कम्बल बांटे जा चुके हैं? और आप चाहें तो इसी के साथ मैं अपना एक और सवाल जोड़ूँ और आपका ध्यान इस तरफ खींचूँ कि मन्त्री महोदय ने आपको बन्दूकों के बारे में सही जवाब नहीं दिया है। मन्त्री महोदय ने जवाब दिया कि उनके पास मांग नहीं आयी है। यह बिल्कुल गलत बात है। उस सम्बन्ध में एक चीज पर मैं आपका ध्यान खींचूँ कि लोगों ने मांग की थी कि उनको हथियार दिये जायँ और उड़ों से छम्ब किनारे किनारे बसाया जाय।

**अध्यक्ष महोदय :** रजाइयों के बारे में तो जवाब आ लेने दें।

**श्री श्यामी :** जहाँ तक रजाइयों और कम्बलों का सवाल है, जम्मू काश्मीर में 75 हजार रजाइयाँ और कम्बल बांटने का प्लान था। उनमें से तीस हजार बांटे जा चुके हैं। रोजाना दो ढाई हजार रजाइयाँ बनायी जाती हैं और बांटने के लिए भेज दी जाती हैं। बाकी रजाइयाँ बहुत जल्दी तकसीम कर दी जाएंगी।

पंजाब के लिए तीस पैंतीस हजार का प्लान था। हर एक जवान मर्द को और औरत को एक एक रजाई और एक एक बूटी दी जाएगी। इनमें से 15 हजार के करीब दी जा

चुकी हैं और बाकी तैयार हो रही हैं और दी जा रही हैं।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** मैंने सरकारी और गैर-सरकारी प्रयत्नों के बारे में पूछा है, दोनों के फिगर दिए जाएं।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** कौनसी संस्था बांट रही है ?

**श्री गुलशन :** इस सवाल में मेरा भी नाम है।

**अध्यक्ष महोदय :** अच्छा।

वह पूछ रहे हैं कि क्या आपके पास इस का ब्रेक अप है कि सरकार की तरफ से कितने बांटे गए और गैर-सरकारी संस्थाओं ने कितने बांटे ?

**श्री त्यागी :** यह पूरी पूरी तफसील मेरे पास नहीं है। गैर सरकारी संस्थाओं ने काफी सहायता की है।

**श्री अब्दुल गनी घोनी :** क्या यह दुस्त है कि बावजूद इसके कि जम्मू काश्मीर में काफी सरदी पड़ रही है वहां रिफ्यूजी लोगों के लिए तसल्लीबख्श इन्तिजाम नहीं है। क्या जो रिफ्यूजी कैम्पों में हैं उनके लिए माकूल और मजिद इन्तिजामात किए जाएंगे ?

**श्री त्यागी :** عبد لغلی گونی : کیا یہ

دوست ہے کہ جموں کشمیر میں کافی سردی پڑ رہی ہے وہاں ریفریجی لوگوں کے لئے تسلی بخش انتظام نہیں ہے - کیا جو ریفریجی کیمپوں میں ہیں ان کے لئے معقول اور مزید انتظامات کیے جائیں گے ؟

**श्री त्यागी :** सब लोगों के लिए कम्बल और रजाइयों आदि का इन्तिजाम किया जा रहा है।

**Shri P. C. Borooah :** May I know whether it is a fact that a large number of factory workers have been

thrown out of employment as a result of destruction of industry by the Pakistanis and, if so, what is the number and what is the extent to which production may fall?

**Shri Tyagi :** I want notice.

**श्री म० ला० द्विवेदी :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि जिन स्थानों से अब इनफिल्ट्रेटर वापस कर दिए गए हैं उन स्थानों के जो लोग विस्थापित हो गए थे उनको फिर से बसाने का क्या इन्तिजाम किया गया है ?

**श्री त्यागी :** जो विस्थापित इस तरह हो गए हैं और अपना घर छोड़ आए हैं उनको रूपा दिया गया है कि जब तक नई फसल न आ जाए वे अपना गुजारा कर सकें, और उनके मकान आदि को देखने के बाद जो नुकसान हुआ है उसके लिए उनको घांट के तौर पर रूपा दिया जाएगा ताकि वे मकानों की मरम्मत कर सकें और इसके अलावा उनका कर्ज वर्गरेह भी दिया जाएगा।

**Shrimati Tarkeshwari Sinha :** May I know whether any assessment on the spot has been made about the losses incurred and the amount of compensation required to be paid and if so, whether any sum has been earmarked so that without any financial bottleneck the sums could be paid to them?

**Shri Tyagi :** It has been decided that whatever the requirements on this account would be, every pie shall be paid.

**श्री गुलशन :** क्या यह बात सच नहीं है कि पंजाब में जो भारतीय नागरिक शरणार्थी हो गए उनमें से खेमकरन के तीन सौ आदमी अब तक लापता हैं और बाकी दूसरी जगहों के भी, जैसे फाजिलका बंगला के नजदीक के गांवों के कुछ लोग भी लापता हैं। क्या इन लापता लोगों का पता करने की कोई कोशिश की गयी है? और क्या जो लोग पट्टी और मल्होट कैम्पों में हैं इन लोगों के लिए तसल्लीबख्श प्रबन्ध नहीं है यह बात सही है? सरकार ने ऐलान किया था कि जो सरहद

पर बसना चाहें उनको हथियार दिए जाएंगे या ऐलान के अलावा सरकार ने प्रेक्टिकल कदम भी इन दिशा में उठाए हैं ?

**श्री त्यागी :** ऐनी स्कीमें थी । लेकिन आपने कहा कि कुछ लोग गुम हो गए हैं, उनका पता नहीं लगता । उनके बारे में मुझे इत्तला नहीं है । मैं इसका पता करूंगा । इसका आप मुझे नोटिस दे दें ।

**श्री गुलशन :** मेरे पास यह लिस्ट है अगर वे चाहेंगे तो मैं उसे दे दूंगा ।

**अध्यक्ष महोदय :** माननीय सदस्य उसे दे दें ।

**श्री गु० सि० मुसाफिर :** मैं जानना चाहता हूँ कि लाहौर सेंटर यानी मुलेमानकी हैडक्वार्टर्स से लेकर डेरा बाबा नानक तक कितने लोग डिस्प्लेस्ड हुए हैं, उनमें से कितने कैम्प में मौजूद हैं और कितने दूसरी जगहों पर रह रहे हैं ? जो कैम्प में रहते हैं उनके वास्ते क्या क्या इन्तजाम किये जा रहे हैं इसके बारे में मैं डीफ़िनिट इन्फ़ोरमेशन चाहता हूँ । उनके खाने के लिए, उनके बच्चों की तालीम के लिए, उनकी दवाई दारू के लिए क्या क्या इन्तजाम इस वक्त तक गवर्नमेंट की तरफ से हो चुके हैं ?

**श्री त्यागी :** जैसा मैंने अर्ज किया पंजाब में 42 हजार के करीब व्यक्ति विस्थापित हुए हैं । उन के खाने, पीने का इन्तजाम किया जा रहा है । खाने के लिए उन को 16 किलोग्राम माहवार के हिसाब से गेहूं बाँट रहे का इन्तजाम किया गया है और उनको 18 रुपये माहवार उनके और दीगर मामूली फ़ालतू खर्च के वास्ते उनको नकद दिया जा रहा है । बच्चों के लिए 9 किलो माहवार अन्न और 9 रुपये माहवार नकद उनके खर्च के वास्ते दिया जा रहा है । जैसा मैंने कहा रजाइयों और दरियों का इन्तजाम कर दिया गया है । तम्बूओं का इन्तजाम भी कर दिया गया है । इस के अलावा जब वह अपनी जगह पर जायेंगे तो उन को मकान आदि बनावे में

मदद देने के वास्ते मैंने पहले ही कह दिया है ।

**श्री गु० सि० मुसाफिर :** एक छोटा सा सवाल और मैं आप की इजाजत से . . .

**अध्यक्ष महोदय :** बस हो चुका । सवाल नम्बर 91 ।

**Peace Talks with Naga Rebels**

+

- \*91. **Shri Yashpal Singh:**  
**Shri P. R. Chakraverti:**  
**Shri P. C. Borooah:**  
**Shri Bhanu Prakash Singh:**  
**Shri Vishwa Nath Pandey:**  
**Shrimati Renuka Barkataki:**  
**Shri Hem Barua:**  
**Shri D. J. Naik:**  
**Shri Kishen Pattnayak:**  
**Shri Bagri:**  
**Shri Madhu Limaye:**  
**Shri Kapur Singh:**  
**Shri P. K. Deo:**  
**Shri Solanki:**  
**Shri Narasimha Reddy:**  
**Shri Rameshwar Tantia:**  
**Shri Himatsingka:**  
**Shri Prakash Vir Shastri:**  
**Shri Jagdev Singh Siddhanti:**  
**Shrimati Tarkeshwari Sinha:**  
**Shri Shree Narayan Das:**  
**Shri D. C. Sharma:**  
**Shri Vidya Charan Shukla:**  
**Shri Ravindra Varma:**  
**Shri P. Venkatasubbalah:**  
**Shri Indrajit Gupta:**  
**Dr. Ranen Sen:**  
**Shri Dinen Bhattacharya:**  
**Shri Onkar Lal Berwa:**  
**Shri Jashvant Mehta:**  
**Shri Sidheshwar Prasad:**  
**Shri Ram Sewak Yadav:**  
**Shri Kajrolkar:**  
**Shri R. S. Pandey:**  
**Shri Rajeshwar Patel:**  
**Shri S. N. Chaturvedi:**  
**Shri V. B. Gandhi:**  
**Shri Hem Raj:**  
**Shri Vasudevan Nair:**  
**Shrimati Jyotsna Chanda:**  
**Dr. Mahadeva Prasad:**  
**Shri Bade:**  
**Shri Hukam Chand**  
**Kachhavalya:**  
**Shri S. M. Banerjee:**  
**Shri Yogendra Jha:**